The Academic
International Journal of Multidisciplinary Research

An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume 4 | Issue 5 | May 2026
ISSN: 2583-973X (Online), SJIF IF: 5.6
Website: www.theacademic.in

शहरी क्षेत्रो के विकास में नगर निकायों की भूमिका : झुंझुनूं जिले की बिसाऊ नगरपालीका के सन्दर्भ में अध्ययन

विनोद कुमार कुमावत

रिसर्च स्कॉलर, राजनीति विज्ञान विभाग, श्री खुषाल दास विष्वविधालय, पीलीबंगा हनुमानगढ।

विजय सिंह

सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग, श्री खुषाल दास विष्वविधालय, पीलीबंगा हनुमानगढ।

DOI : https://doi.org/10.5281/zenodo.20699643

ARTICLE DETAILS

Research Paper

Accepted: 26-05-2026

Published: 10-06-2026

Keywords:

बिसाऊ, नगरपालिका, नगरीय विकास, व्यापारिक, प्राचीन, हस्तांतरण, विशिष्ट।

ABSTRACT

शहरी स्थानीय निकायों को 74वें संविधान संशोधन अधिनियम 1992 द्वारा स्वशासी संस्था के रूप में कार्य करने के लिए सक्षम बनाने के लिए शक्तियों के विकेन्द्रीकरण करने और उनको अधिक कार्य एवं निधियों का हस्तांतरण करने का मार्ग प्रशस्त किया गया तथा स्थानीय निकायों को 18 कार्य सौंपे गए है ये 18 कार्य संविधान की 12 वी अनुसूची के तहत सूचीबद्व किए गए है। इसी प्रकार झुंझुनू जिले की बिसाऊ नगर पालिका ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, पर्यटन एवं शैक्षिक दृष्टि से महत्वपूर्ण । बिसाऊ शेखावाटी क्षेत्र की समूह नगरपालिकाओं में से एक है जहाँ व्यापारिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक एवं सामाजिक विकास के कारण विशिष्ट स्थान रखती है। यहाँ नगरीय सुविधाएं, प्रशासनिक विकास तीव्र गति से विकसित हो रहे है। जो एक निकाय के रूप महत्वपूर्ण है।

1. भूमिका :–

राजस्थान में नगर निकायों का अस्तित्व 74 वे संविधान संशोधन अधिनियम के द्वारा त्रि–स्तरीय बनाया गया है, जिसमें नगर निगम, नगर परिषद और नगरपालिका को शामिल किया गया। वर्तमान में नगर निगम 10, नगर परिषद 34 और नगरपालिकाए 248 से अधिक है। बिसाऊ नगरपालिका राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में झुंझुनू जिले में स्थित है जो शैक्षिक, ऐतिहासिक, व्यापारिक परंपराओ तथा अपनी भव्य पेंटिग, हवेलीयो एव गढ़ के लिए प्रसिद्ध है बिसाऊ नगर एक छोटा कस्बा है। जहाँ जो नगरपालिका का दर्जा रखता है। जो प्राचीन समय से व्यापारिक एवं सामरिक महत्व रखता है तथा वर्तमान में भी यह कस्बां अपनी प्राचीन उपलब्धीयों को बनाए रखी है।

2. अध्ययन क्षेत्र का परिचयः–

बिसाऊ की स्थापना शार्दुल सिंह के सुपुत्र केशरीसिह ने 1755 ई में की थी।

2.1. भौगोलिक स्थिति :–

बिसाऊ कस्बे का मूल नाम ''विशाल जाट की ढाणी" था बिसाऊ कस्बा झुंझुनू जिले के उत्तरी–पष्चिम में स्थित है। जिसकी भौगोलिक स्थिति 28.15' उत्तरी अक्षांश एवं 75.05' पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। यह समुद्र तल से 292 मीटर उचांई पर है। यह कस्बा झुंझुनूं चुरू राज्य मार्ग 37 पर झुंझुनू के बार्डर पर स्थित है। जो झुंझुनू से लगभग 35–40 किमी दूर स्थित है। बिसाऊ राजस्थान के उतर–पूर्व भाग में अरावली के पश्चिमी भाग में है तथा मरुस्थलीय प्रदेश के उत्तरी पूर्वी भाग में स्थित है। यहाँ 45–50 सेमी औसत वर्षा तथा यहां भूरी रेतीली मिट्टी से बलुई दोमट मिट्टी पाई जाती है। यह क्षेत्र अर्द्व–शुष्क मरुस्थलीय जलवायु पाई जाती है। यह क्षेत्र मानसूनी जलवायु पर निर्भर रहता है। जिसके कारण यहाँ खरीफ में बांजरा, ग्वार, मूंग, मोठ व चूला तथा रबी में सरसों, चना, मेथी व सौफ अन्य फसलों का उत्पादन होता हो

बिसाऊ कस्बे की जनसंख्या 23,227 थी जिसमे पुरुष 506 प्रतिषत व महिला 49.4 प्रतिषत थी जनघनत्व 1452 / किमी 2 था जो बिसाऊ के 16 वर्ग किमी क्षेत्रफल पर विस्तृत है। जहाँ हिन्दू, मुस्लिम व जैन धार्मिक जन समुह निवास करता है। बिसाऊ नगरीय क्षेत्र में रोजगार की दृष्टि से शिक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य, बैकिंग, व्यापारिक एवं सरकारी सेवाएं विध्यमान है।

2.2. बिसाऊ नगरपालिका :–

बिसाऊ नगरपालिका की स्थापना राज्य सरकार ने राजस्थान नगर सुधार अधिनियम 35, सन् 1959 की धारा 3 की उपधारा (1) के तहत दिनांक 10/08/2010 को अधिसूचना जारी कर बिसाऊ सहित 10 राजस्व ग्रामों को सम्मिलित करते हुए बिसाऊ का नगरीय क्षेत्र अधिसूचित किया गया तथा इस क्षेत्र के विकास के लिए नवीन प्रयास प्रारम्भ हुए। बिसाऊ का कुल नगर पालिका क्षेत्रफल लगभग 3953.67 एकड़ (16 वर्ग किमी) है तथा शहर का नगरीयकृत क्षेत्र लगभग 781.32 एकड़ है व विकसित क्षेत्र 557.39 एकड है। नगरीय क्षेत्र में आवासीय क्षेत्र सर्वाधिक है। जो लगभग 344.10 एकड़ है तथा विकसित क्षेत्र की बात करे तो वह 61.73 प्रतिशत है तथा दूसरे स्थान पर परिवहन। यातायात नगरीयकृत भू–उपयोग का आता है। जिसका क्षेत्रफल 121.83 एकड़ एवं विकसित क्षेत्र 21.86 प्रतिशत है।

तालिका 1.

व्यावसायिक संरचना बिसाऊ 2001–2010

क्र.स	व्यवसाय	वर्ष 2001		वर्ष 2010	
		व्यक्तियो की सख्या	प्रतिशत	व्यक्तियो की सख्या	प्रतिशत
1	काश्तकार, कृषि, श्रमिक,	1060	21.52	1161	18

	वानिकी खनन एवं तत्सम्बन्धित कार्य				
2	उद्योग	215	4.36	322	5
3	व्यापार एवं वाणिज्य	513	10.42	710	11
4	निर्माण	417	8.47	516	8
5	परिवहन एवं संचार	310	6.29	451	7
6	अन्य सेवाएं	2411	48.94	3290	51
	योग	4926	100.00	6450	100.00

स्त्रोत – भारतीय जनगणना, 2001. व सलाहकार के अनुमान

बिसाऊ नगरपालिका क्षेत्र शेखावाटी क्षेत्र में विध्यमान नगरीय क्षेत्रो के समानता रखता है। यह क्षेत्र जलवायु, परिवहन व शिक्षा की दृष्टि से अर्द्व विकसित क्षेत्रो के साथ समान्नता रखता है। यह क्षेत्र न केवल शेखावाटी में बल्कि भारत में अपने धन कुबेरो के लिए प्रसिद्ध है यहॉ के सेठ लोग भारत के भिन्न–2 क्षेत्रो में निवास करते हैं। तथा अपने क्षेत्र के विकास में भी किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं छोड रहे है। जो समय–2 पर बिसाऊ क्षेत्र के विकास में अपनी भूमिका निभा रहे है। साथ–2 राज्य व केन्द्र सरकार भी इस क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ रही हो जो नगरपालीका व अन्य प्रोग्राम से विकसित कर रही है।

वर्तमान भू. उपयोग बिसाऊ

क्र.स.	भू–उपयोग	क्षेत्र एकड में	विकसित क्षेत्र का प्रतिशत	नगरीयकृत क्षेत्र का प्रतिशत
1	आवासीय	344.10	61.73	44.04
2	वाणिज्यिक	8.30	1.49	1.06
3	औद्योगिक	0.47	0.08	0.06
4	राजकीय	2.18	0.39	0.28
5	आमोद–प्रमोद	13.30	2.39	1.70
6	सार्वजनिक एवं अई सार्वजनिक	67.21	12.06	8.60
7	परिसंचरण । यातायात	121.83	21.86	15.60
8	कुल विकसित क्षेत्र	557.39	100	71.34
9	कृषि, भूमि, बाग,–बगीची	6.39		0.82

	आदि			
10	रिक्त भूमि	213.80		27.36
11	तालाब आदि	3.74		0.48
12	नगरीयकृत क्षेत्र	781.32		100

स्त्रोत = सलाहकार के सर्वेक्षण

नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 45 से 47 में शहरी स्थानीय निकायों के कतिपय मूलभूत कार्यो जैसे सार्वजनिक, स्वास्थ्य, संरक्षण, ठोस कचरा प्रबंधन जल निकासी और सीवरेज, सार्वजनिक सड़कों, स्थानों, नालियों और सभी रिक्त स्थानों की सफाई, प्रकाश, आग बुझाने और जब आग लगी हो जीवन सम्पत्ति की रक्षा करना, सार्वजनिक सड़को का निर्माण, पर्यावरण की सुरक्षा के अन्य कार्यो, सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता, शिक्षा और सस्कृति, लोक कल्याण, सामुदायिक संबधो और सरकार द्वारा सोयें गए कार्यो को निस्पादित किया जाता है।

संगठनात्मक ढाचाः–

शहरी स्थानीय निकायों को देखते हुए स्वायत्त शासन विभाग ने राज्य सरकार की प्रशासनिक मशीनरी का संयुक्त संगठनात्मक ढांचा चार्ट में दिया गया हैः

चार्ट

निर्वाचित सदस्य स्तर

नगर निगम	**नगर परिषद**	**नगर पालिका**
महापौर, उपमहापौर	**अध्यक्ष, उपाध्यक्ष**	**सभापति, उप सभापति**
वैधानिक समितिया	**वैधानिक समितिया**	**वैद्यानिक समितिया**

कार्यकारी स्तर

राज्य सरकार

प्रमुख शासन सचिव/ संचिव,

स्वायत्त शासन विभाग

निदेशक, स्थानिय निकाय

उपनिदेशक (क्षेत्रिय) सात संभागीय मुख्यालय पर

मुख्य कार्यकारी अधिकारी	आयुक्त	अधिशाषी अधिकारी
नगर निगमों पर आयुक्त,	नगरपरिषद पर अधिषाषी अभियन्ता	नगरपालिका मंडलों पर
उनतिरिक्त मुख्य अभियन्ता	राजस्व अधिकारी सहायक लेखाधिकारी	राजस्व अधिकारी सहायक
अधीक्षण अभियन्ता मुख्य		कनिष्ठ अभियन्ता लेखाकार आदि

नगर पालिका के कार्य :–

1. **जन स्वास्थ्य और स्वच्छता :–**

नगरपालिका बिसाऊ के जन स्वास्थ्य और स्वच्छता के अनेक कार्य का निस्पादन किया जा रहा है। जिनमे से कुछ कार्य निम्न है–

→ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन :–

बिसाऊ नगर क्षेत्र के कचरे का उठाने के साथ – साथ उसे परिवहन कर गांगियासर रोड पर स्थित निस्तारण केन्द्र।

→ सफाई व्यवस्था :–

बिसाऊ नगर क्षेत्र की सड़कों, नालियो और सार्वजनिक स्थानो की नियमित सफाई की जाती है तथा वहां से प्राप्त कचरे को नगर क्षेत्र से बाहर स्थित कचरे संग्रहण क्षेत्र में ले जाया जाता है। तथा उसका निस्तारण किया जाता है।

→संक्रामक रोग नियंत्रण :–

नगर पालिका द्वारा संक्रामक बीमारियो व महामारी के बचाव के लिए समय–2 पर नगर क्षेत्र में दवाइयो का छिडकाव के साथ–साथ अन्य उपायो का प्रयोग किया जाता है।

→जल निकाली और मल बहन :–

नगर क्षेत्र की जल निकासी की व्यवस्था अभी पूर्ण नहीं हुई है। क्योंकि सिवरेज नहीं बना है इसके बावजूद जल व मल के लिए बिसाऊ के चारो तरफ विशेष व्यवस्था की गई है। जहॉ जल इक्ठा किया जा रहा हो

2. जनसुविधा और विकास कार्य :–

→जल आपूर्ति :–

नगर क्षेत्र में पेयजल की समुचित व्यवस्था टंकी कुंए एवं नहरी जल के माध्यम से पूर्ण की जा रही है।

→सड्के एवं फुटपाथ :–

बिसाऊ नगर की मुख्य सड़के को व्यवस्था अच्छी तरीके से की गई हो हालाकी बाजार में अभी भी खुली सडको की कमी है।

→प्रकाश व्यवस्था :–

नगर पालिका क्षेत्र में सार्वजनिक सडको, चौराहो व पार्को में स्ट्रीट लाइट की समुचित व्यवस्था नगर पालिका द्वारा की गई है।

→सार्वजनिक उद्यान :–

बिसाऊ नगर में स्थित बंगीची, पार्को व पुस्तकालयों के रखरखाव के लिए उन्नत कार्य किए गए है तथा यहां आधुनिक सुविधा प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है।

(3) नियामक और प्रशासनिक कार्य :–

→भवन निर्माण नियमन :–

नगर पालिका द्वारा नगर पालिका क्षेत्र में निर्मित होने भवनों का मानचित्र स्वीकृत करता है तथा अतिक्रमण को हटाकर नगर को सुन्दर एवं स्वच्छ बनाया जाता है

→ जन्म मृत्यु पंजीकरण –

नागरीको को जन्म, मृत्यु और विवाह प्रमाण पंत्रों के साथ–साथ अन्य प्रमाण पत्रो का रिकॉर्ड. जा रहा है।

→ बाजारों का विकास :–

नगर पालिका द्वारा समय–2 पर बाजारों का विकास किया जा रहा है ताकी व्यापारिक गतिविधिया अच्छी तरिके से चले।

→पषु क्रूरता की रोकथाम :–

बिसाऊ नगर पालिका क्षेत्र हिंन्दू, मुस्लिम व जैन धर्मावलंबी है यहां पशुओ की के लिए कांजीहाउस की व्यवस्था की गई है तथा ताकी इनका सही देख रेख हो सके।

4. सामाजिक और कल्याणकारी कार्य :–

→अनाथालय और आश्रय गृह :–

बिसाऊ नगर क्षेत्र में नगरपालिका द्वारा आश्रय गृह या वृद्धजन्न के लिए तथा अनाथालय की स्थापना की गई ह ैजिससे आवष्यकताओं को लाभ प्राप्त हो सके तथा वो आम जीवन जी सके।

→सांस्कृति गतिविधियो :–

नगरपालिका द्वारा समप–समय पर विभिन्न प्रकार की सास्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। यह आयोजन नगर पालिका में तथा तथा इसके अलावा नगर क्षेत्र में स्थित महाविद्यालयो तथा विद्यालयों में भी आयोजन करवाया जाता है। जिसमे प्रथम, द्वितीय, तृतीय आने वाले बच्चों को पुरस्कार भी दिया जाता है। जिससे बच्चे इन सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़–चढ़कर भाग ले सकें।

निष्कर्षः–

बिसाऊ नगर पालिका अपने सांस्कृतिक, ऐतिहासिक शैक्षिक, प्राकृतिक दृष्टि से शेखावाटी ही नहीं बल्कि राजस्थान की एक महत्वपूर्ण नगर पालिका है जो उचित नगर नियोजन प्रशासनिक दक्षता एव जन भागीदारी के द्वारा लगातार विकास हो नहीं कर रखी बल्कि अपने उचित प्रबंधन के लिए जानी जाती है। नगरपालिका क्षेत्र पर्यावरण प्रदूषण, ठोस कचरा प्रबंधन, सौदर्यकरण आदि क्षेत्रो में उल्लेखनीय कार्यो को संपादित करते हुए विकास के नए आयाम लिख रहे है लेकिन समय के साथ–2 नगरपालिका अधिकारियों एवं निवासियो को नवीनतम तकनीक का इस्तेमाल करते हुए कार्यों को पूर्ण करना तथा प्रदूषण के प्रदूषित क्षेत्रो को कम करते हुए हरे–भरे व स्वास्थ्य वर्धक क्षेत्रों को अधिक से अधिक विकसित करना जिससे भविष्य में हमारी पीढ़ी बिना प्रदूषण के विकास एवं मानसिक विकास कर सके।

संदर्भ :–

1. राजस्थान सांख्यिकी पत्रिका

2. झुंझुनूं जिला दर्शन

3 जिला सांख्यिकी पुस्तिका, झुंझुनूं

4. बिसाऊ दिग्दर्शन, तरुण साहित्य परिषद

5. राजस्थान नगर पालिका अधिनियम

6. शेखावाटी का ऐतिहासिक एवं भौगोलिक अध्ययन – शोध लेख

7. शेखावाटी में पर्यटन विकास की संम्भावना – शोध लेख

8. झुंझुनू के मण्डावा व बिसाऊ में पर्यटन का विकास – शोध लेख